विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- हिंदी ***दिनांक-05/06/2020***
वर्ग-पंचम ***विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी***

चेतक

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने व्याकरण का अध्ययन किए। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपको जो अध्ययन-सामग्री दी जाती है उसे आप पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज की कक्षा में आपको 'चेतक' कविता का अध्ययन करना है। जो कि इस प्रकार है:—

रन-बीच चौकड़ी भर भरकर ,
चेतक बन गया निराला था।
राणा प्रताप के घोड़े से,
पड़ गया हवा का पाला था।
गिरता न कभी चेतक-तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था।
वह दौड़ा रहा अरि-मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था।
जो तनिक हवा से बाग़ हिली,
लेकर सवार उड़ जाता था।
राणा की पुतली फिरी नहीं,
तब तक चेतक मुड़ जाता था।
कौशल दिखलाया चालों में,
उड़ गया भयानक भालों में।
निर्भीक गया वह ढालों में,
सरपट दौड़ा करवालों में।

बच्चों, आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य :—

बच्चों, कविता को उत्तर-पुस्तिका में सुंदर एवं साफ़ अक्षरों में लिखें तथा याद करें।